भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 24 सितम्बर, 2025

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) एक निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तरी ओडिशा और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और गंगीय पश्चिम बंगाल के आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है और 25 सितंबर के आसपास उत्तर और आसपास के मध्य बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

(ii) इन प्रणालियों के प्रभाव में, 27 तारीख तक ओडिशा में, 24 और 25 तारीख को छत्तीसगढ़ में, 26 और 27 तारीख को तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में, 25 तारीख को विदर्भ में, 26-30 तारीख के दौरान मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा में; 27 सितंबर, 2025 को मराठवाड़ा में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 24 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- छत्तीसगढ़, झारखंड, त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- अंडमान द्वीप समूह, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गंगीय पश्चिम बंगाल, मध्य महाराष्ट्र, असम, अरुणाचल प्रदेश और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के शेष हिस्सों; गुजरात और राजस्थान के कुछ और हिस्सों; और मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों से आज 24 सितंबर 2025 को वापस चला गया है।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की रेखा अब 37.5°N/73°E, रामपुर बुशहर, हरिद्वार, मुरादाबाद, इटावा, बांसवाड़ा, वल्लभ, विद्यानगर, वेरावल, 20.5°N/69°E से होकर गुजरती है।
- अगले 2-3 दिनों के दौरान गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर के शेष हिस्सों; मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ और हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- ❖ कल पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र अब आज, 24 सितंबर, 2025 को 0830 बजे IST पर उत्तर ओडिशा और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और गंगीय पश्चिम बंगाल के आसपास के क्षेत्रों में स्थित है। इसके इसी क्षेत्र में बने रहने और अगले 12 घंटों के दौरान कम स्पष्ट होने की संभावना है।
- ❖ आज, 24 सितंबर को 0830 बजे IST पर मध्य म्यांमार के तटीय क्षेत्रों और उससे सटे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर मध्य क्षोभमंडल स्तर तक एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना। इसके धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और इसके प्रभाव में, 25 सितंबर को उत्तर और आसपास के मध्य बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके 27 सितंबर के आसपास दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों को पार करने की बहुत संभावना है।
- ❖ इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्व और मध्य भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान छत्तीसगढ़ में; 24, 29 और 30 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश; 28-30 तारीख के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश; 24-27 तारीख के दौरान विदर्भ; 24, 25 और 30 तारीख को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 27 को गंगीय पश्चिम बंगाल; 28 को बिहार; 24 को झारखंड; 24-27 सितंबर के दौरान ओडिशा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छीटों पर भारी वर्षा की संभावना है; 25 को विदर्भ में; 24 और 25 को छत्तीसगढ़; 24, 26 और 27 सितंबर को ओडिशा में बहुत भारी वर्षा के साथ की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 25 और 26 को विदर्भ, 2-26 के दौरान छत्तीसगढ़, 27 और 28 सितंबर को गंगीय पश्चिम बंगाल में गरज के साथ तूफान और तेज़ हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) चलने की संभावना है।
- 24-27 के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 24-26 को गंगीय पश्चिम बंगाल, 24 और 26-30 के दौरान बिहार; 24-27 सितंबर के दौरान ओडिशा में गरज के साथ तूफान और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे की गति तक) चलने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा में 25 से 30 सितंबर तक; मराठवाड़ा में 25 से 29 सितंबर तक; गुजरात क्षेत्र में 27 से 30 सितंबर तक; सौराष्ट्र और कच्छ में 30 सितंबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना; मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा में 26 से 30 सितंबर तक; मराठवाड़ा में 27 सितंबर को बहुत भारी बारिश की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- असम और मेघालय में 24, 29 और 30 सितंबर को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 24, 25 और 30 सितंबर को कुछ/थोड़े स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तेलंगाना में अगले 7 दिनों तक; तमिलनाडु में 25 से 27 सितंबर तक; केरल और माहे में 24 से 27 सितंबर तक; लक्षद्वीप में 25 और 26 सितंबर को; तटीय कर्नाटक में 24 और 25 सितंबर को और 27 से 30 सितंबर तक; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 26 से 29 सितंबर तक; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 26 से 28 सितंबर तक; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 24 से 29 सितंबर तक; रायलसीमा में 26 और 27 सितंबर को कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तेलंगाना में 26 और 27 सितंबर को बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अगले 5 दिनों तक तेज सतही हवाएँ (गति 40-50 किमी प्रति घंटा) बहुत संभावित है।

- रायलसीमा में अगले 5 दिनों तक; आंतरिक कर्नाटक में 26 से 28 सितंबर तक तेज सतही हवाएँ (गति 30-40 किमी प्रति घंटा) बहुत संभावित है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 24 से 29 सितंबर तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:
अरब सागर: दक्षिण-पश्चिम और आसपास के पश्चिम-मध्य अरब सागर, सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास 24 से 29 सितंबर तक; कोंकण और गोवा, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप क्षेत्र में 25 से 28 सितंबर तक और दक्षिण गुजरात में 27 से 29 सितंबर 2025 तक न जाने की सलाह दी जाती है।

बंगाल की खाड़ी: पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, म्यांमार तटों के साथ और उसके आसपास, मन्नार की खाड़ी और आसपास के कोमोरिन क्षेत्र, श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास, पूरी बंगाल की खाड़ी में 24 से 29 सितंबर तक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा तटों के साथ और उसके आसपास 25 से 29 सितंबर तक; अंडमान सागर में 24 से 29 सितंबर तक न जाने की सलाह दी जाती है।

ii. 24 सितम्बर से 27 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **ओडिशा:** बुर्ला (जिला संबलपुर) 23; अंबाभोना (जिला बरगढ़), संबलपुर (जिला संबलपुर), हाताडीही (जिला क्योंझरगढ़), धनकौड़ा (जिला संबलपुर) 18 प्रत्येक; हीराकुंड (जिला संबलपुर) 16; अताबीरा (जिला बरगढ़), उमरकोटे (जिला नवरंगपुर), तिरिंग (जिला मयूरभंज) 12 प्रत्येक; बरगढ़ (जिला बरगढ़) 11; सोहेला (जिला बरगढ़), पटनागढ़ (जिला बोलांगीर) 10 प्रत्येक; नवापारा (जिला नवापारा), बटली (जिला बरगढ़), खापराखोल (जिला बोलांगीर), बिजेपुर (जिला बरगढ़) 9 प्रत्येक; बेलगांव (जिला बोलांगीर), पैकमल (जिला बरगढ़), करंजिया (जिला मयूरभंज), जुजुमुरा (जिला संबलपुर), टीएच रामपुर (जिला कालाहांडी), हेमगिरि (जिला सुंदरगढ़) 8 प्रत्येक; रायराखोल (जिला संबलपुर), बारपल्ली (जिला बरगढ़), मलकानगिरि (जिला मलकानगिरि), नवाना (जिला मयूरभंज), चेंदीपाड़ा (जिला अंगुल), बेतानाटी (जिला मयूरभंज), सुकिंदा (जिला जाजपुर), देवगांव (जिला झारसुगुड़ा), भोगराई (जिला बालासोर), बंसपाल (जिला क्योंझरगढ़) 7 प्रत्येक;
- **छत्तीसगढ़**: सोनाखान (जिला बलौदा बाजार) 18; गिधौरी टुंड्रा (जिला बलौदा बाजार) 16; सरसिवा (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़) 15; सेवरीनारायण (जिला जांजगीर) 13; सारंगढ़ (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़), बिलाईगढ़ (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़), बसना (जिला महासमुंद) 12 प्रत्येक; मालखरौदा (जिला सक्ती), बारमकेला (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़) 10 प्रत्येक; सरायपाली (जिला महासमुंद), पिथौरा (जिला महासमुंद), पुसौर (जिला रायगढ़), भटगांव (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़) 9 प्रत्येक; नवागढ़ (जिला जांजगीर), हसौद (जिला सक्ती), चंद्रपुर (जिला सक्ती) 8 प्रत्येक; रायगढ़ (जिला रायगढ़), राजिम (जिला गरियाबंद), कशडोल (जिला बलौदा बाजार), सरिया (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़) 7 प्रत्येक;
- **झारखंड**: मंदार (जिला रांची) 14;
- **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा:** कंचनपुर (जिला उत्तरी त्रिपुरा) 12;
- **मध्य महाराष्ट्र:** सुरगना (जिला नासिक) 10; पेठ (जिला नासिक) 7;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: लॉन्ग आइलैंड (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 9; माया बंदर (जिला उत्तर और मध्य अंडमान) 7;
- **तेलंगाना**: बालकोंडा (जिला निज़ामाबाद) 9; भीमगल (जिला निज़ामाबाद) 7;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यानम**: रणस्तलम (जिला श्रीकाकुलम) 9; चोदावरम (जिला अनाकापल्ली), मेराकामुदिदम (जिला विजयनगरम) 7 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय**: मार्गेरिटा (जिला तिनसुकिया) 9; उदयपुर (जिला तिनसुकिया) 8;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: अम्फू खड़गपुर (जिला पश्चिम मिदनापुर) 8.

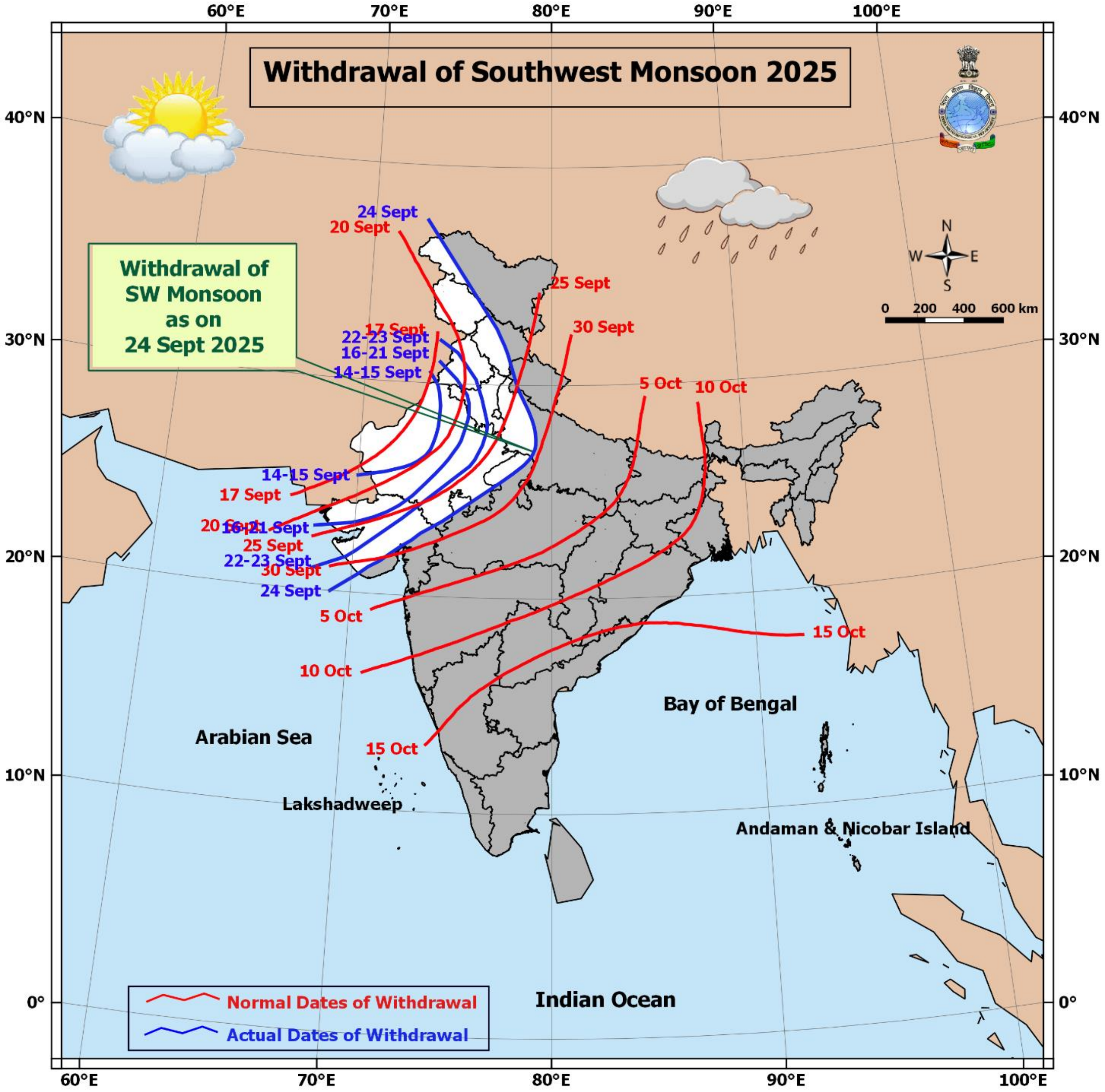

Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 24 Sept 2025
24 Sept
20 Sept
25 Sept
30 Sept
17 Sept
22-23 Sept
16-21 Sept
14-15 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
0 200 400 600 km
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

अनुलग्नक III

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**24- Sep**	**25- Sep**	**26- Sep**	**27- Sep**	**28- Sep**	**29- Sep**	**30- Sep**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
25	MARATHWADA	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
26	VIDARBHA	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS

• जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक IV

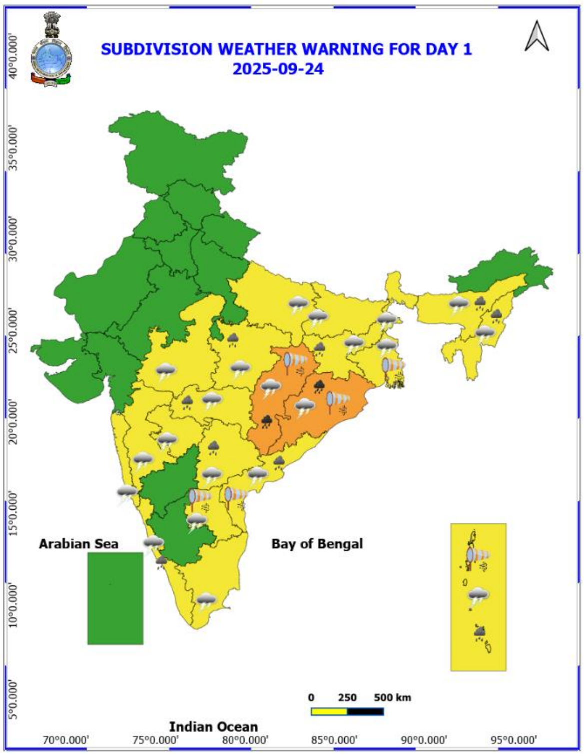
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'
40°0.000' 35°0.000' 30°0.000' 25°0.000' 20°0.000' 15°0.000' 10°0.000' 5°0.000'

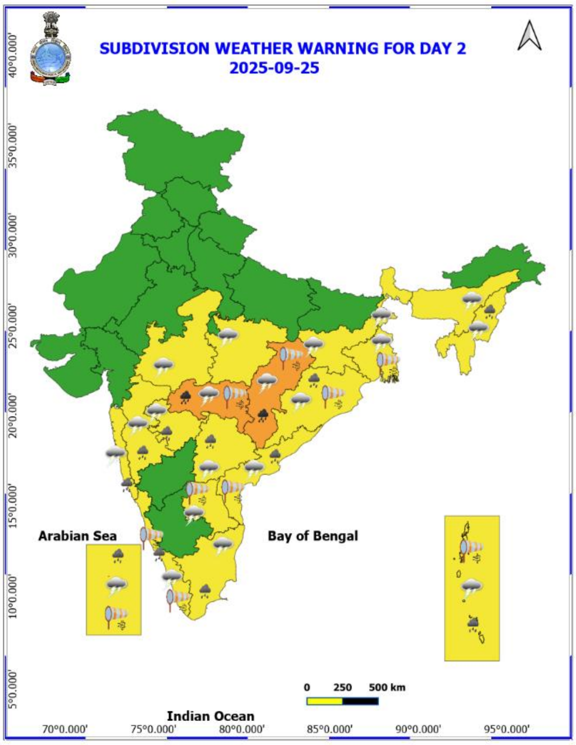
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'
40°0.000' 35°0.000' 30°0.000' 25°0.000' 20°0.000' 15°0.000' 10°0.000' 5°0.000'

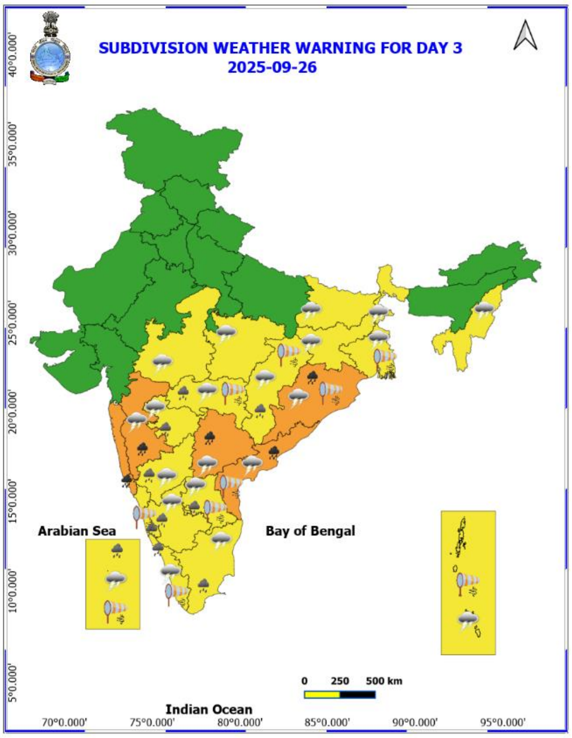
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-26
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'
40°0.000' 35°0.000' 30°0.000' 25°0.000' 20°0.000' 15°0.000' 10°0.000' 5°0.000'

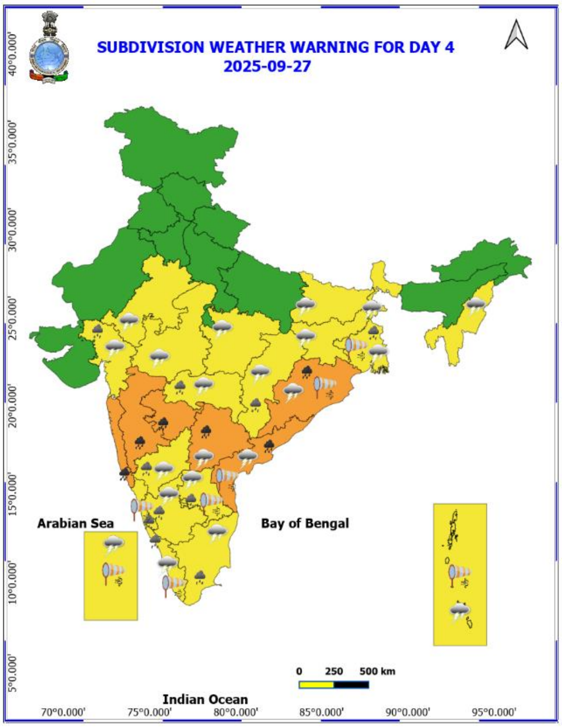

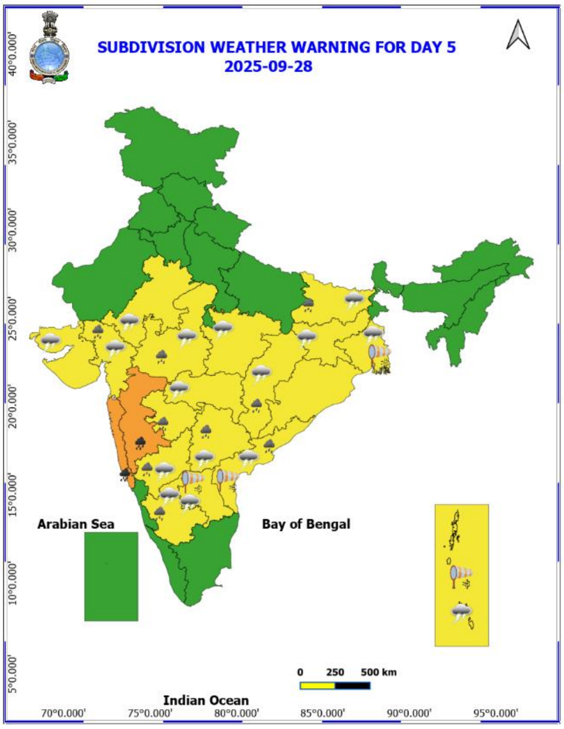

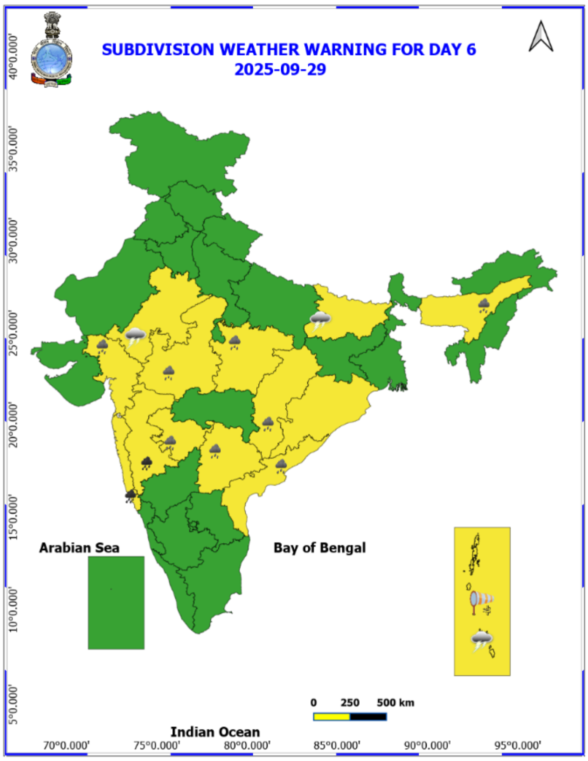

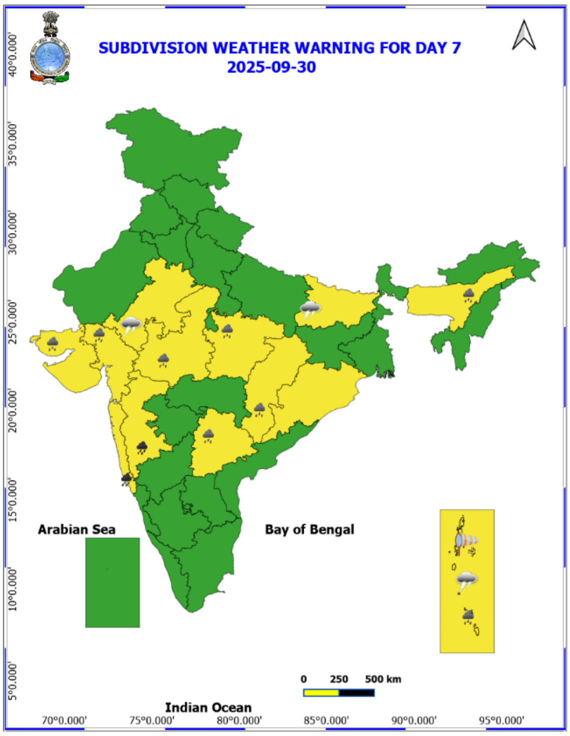

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक V

दिल्ली/एनसीआर में 24 से 27 सितंबर 2025 तक मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के निकट थे। मुख्य रूप से साफ आसमान की स्थिति रही, जिसमें मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम/पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा तक की गति के साथ हवा चली और तेज हवाओं की गति 36 किमी प्रति घंटा तक थी। आज सुबह के समय क्षेत्र में मुख्य रूप से साफ आसमान की स्थिति रही, जिसमें पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटा से कम गति की हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:

24.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के निकट होगा। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से दोपहर के समय 15-20 किमी प्रति घंटा की गति के साथ हवा चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

25.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के निकट होंगे। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से सुबह के समय 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ हवा चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

26.09.2025: मुख्य रूप से साफ आसमान। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के निकट होंगे। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से सुबह के समय 10-15 किमी प्रति घंटा की गति के साथ हवा चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

27.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के निकट होंगे। मुख्य रूप से पूर्व दिशा से सुबह के समय 08-12 किमी प्रति घंटा की गति के साथ हवा चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 25 को विदर्भ में; 24 और 25 को छत्तीसगढ़; 24, 26 और 27 को ओडिशा; 26-30 के दौरान मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा; 27 को मराठवाड़ा; 26 और 27 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।

- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा में, पश्चिम मध्य पठारी क्षेत्र में धान, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; उत्तर मध्य पठारी क्षेत्र में धान, मक्का, मूंग, मूंगफली, रागी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से (केला, पपीता आदि); उत्तर पूर्वी पठारी क्षेत्र में धान, मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों से; उत्तर पूर्वी तटीय मैदानी क्षेत्र में धान, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से (अमरूद, पपीता आदि); उत्तर पूर्वी घाट क्षेत्र में धान, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से तथा पूर्वी घाट उच्च भूमि क्षेत्र और दक्षिण पूर्वी घाट क्षेत्र में धान, मक्का, रागी, सब्जियों, अदरक और हल्दी के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- झारखंड में, पश्चिमी पठारी क्षेत्र में मक्का, रागी, दालों और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- छत्तीसगढ़ में, बस्तर पठार क्षेत्र में सब्जी के खेतों एवं केले तथा पपीते के बागानों में और छत्तीसगढ़ मैदानी क्षेत्र में धान, मक्का, अरहर, उड़द और मूंगफली के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र में मूंग और उड़द की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें तथा कपास, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें। मराठवाड़ा में, चीकू एवं सीताफल की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करें। सोयाबीन, कपास, अरहर एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें तथा उड़द की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। कोंकण में सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा विदर्भ में अरहर, कपास, सोयाबीन, ज्वार, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- आंध्र प्रदेश में, कृष्णा गोदावरी क्षेत्र में धान, मक्का, अरहर और कपास के खेतों से; उत्तरी तटीय क्षेत्र में धान, मक्का, कपास, अरहर, मूंग, मूंगफली, गन्ना और सब्जियों के खेतों से तथा उच्च ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र में धान, गन्ना, मक्का, रागी, मूंगफली, अदरक, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- तेलंगाना में, उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र में धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर और हल्दी के खेतों से तथा दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र में धान, कपास, सोयाबीन, मक्का और अरहर के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी का प्रावधान करें।
- मिजोरम में, परिपक्व सब्जियों (भिंडी, टमाटर आदि) और मक्के के परिपक्व भुट्टों की कटाई करें तथा काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- नागालैंड में, तिल, झूम धान एवं नागा किंग मिर्च की कटाई जारी रखें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	1. Andaman & Nicobar Islands
2. अरुणाचल प्रदेश	2. Arunachal Pradesh
3. असम और मेघालय	3. Assam & Meghalaya
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा	4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम	5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. गंगीय पश्चिम बंगाल	6. Gangetic West Bengal
7. ओडिशा	7. Odisha
8. झारखंड	8. Jharkhand
9. बिहार	9. Bihar
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश	10. East Uttar Pradesh
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश	11. West Uttar Pradesh
12. उत्तराखंड	12. Uttarakhand
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली	13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. पंजाब	14. Punjab
15. हिमाचल प्रदेश	15. Himachal Pradesh
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख	16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. पश्चिम राजस्थान	17. West Rajasthan
18. पूर्वी राजस्थान	18. East Rajasthan
19. पश्चिम मध्य प्रदेश	19. West Madhya Pradesh
20. पूर्वी मध्य प्रदेश	20. East Madhya Pradesh
21. गुजरात	21. Gujarat
22. सौराष्ट्र	22. Saurashtra
23. कोंकण और गोवा	23. Konkan & Goa
24. मध्य महाराष्ट्र	24. Madhya Maharashtra
25. मराठवाड़ा	25. Marathwada
26. विदर्भ	26. Vidarbha
27. छत्तीसगढ़	27. Chhattisgarh
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम	28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. तेलंगाना	29. Telangana
30. रायलसीमा	30. Rayalaseema
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल	31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. तटीय कर्नाटक	32. Coastal Karnataka
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक	33. North Interior Karnataka
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक	34. South Interior Karnataka
35. केरल और माहे	35. Kerala & Mahe
36. लक्षद्वीप	36. Lakshadweep

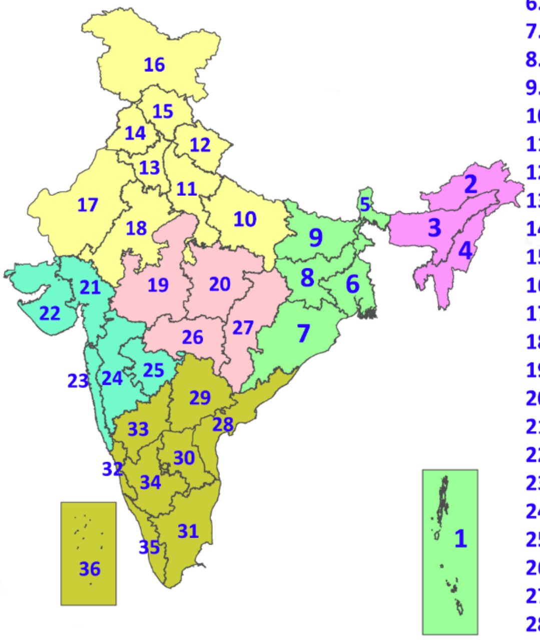

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)